Permission for Previous Test
Nehru Vihar

27/08/17

दृष्टि The Vision

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E1**

निर्धारित समय: तीन घंटे ***Time allowed: Three Hours***	*अधिकतम अंक: 250* ***Maximum Marks: 250***

नाम (Name): Ratan Deep Gupta

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.):

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

रोल नं. - 2

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट किए गए शब्द-संख्या के अनुसार होना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

80/250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

Permission for Previous Test
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबन्ध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो:

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2=250

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–A / SECTION –A

1. प्रत्येक असफलता में एक अवसर छिपा होता है।
   There is an inherent opportunity in every failure.

2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: एक मूल अधिकार जिसका सबसे ज्यादा दमन तथा दुरुपयोग हुआ।
   Freedom of expression: Most suppressed and most misused fundamental right.

3. समृद्ध राष्ट्र हेतु 'स्वस्थ राष्ट्र' एक पूर्व शर्त है।
   A 'healthy nation' is a prerequisite for 'wealthy nation'.

4. "देशभक्ति मेरा आखिरी आध्यात्मिक सहारा नहीं बन सकती, मेरा आश्रय मानवता है। मैं हीरे के दाम में ग्लास नहीं खरीदूंगा और जब तक मैं जिंदा हूँ मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा।" कट्टर राष्ट्रवाद पर व्यक्त रविन्द्रनाथ टैगोर के उपरोक्त विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये।
   "Patriotism cannot be my final spiritual shelter; my refuge is humanity. I will not buy glass for the price of diamonds, and I will never allow patriotism to triumph over humanity as long as I live." Critically comment on the contemporary relevance of Rabindranath's above views on radical nationalism.

3 → "स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।"

निवास

उपरोक्त कहावत व्यक्ति के सशक्त मानसिक विकास के आधार के रूप में स्वस्थ शरीर की महत्ता को स्वतः ही स्पष्ट कर देता है।

दोनों में से कोई भी प्रयोग किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक स्वस्थ मस्तिष्क का नागरिक राष्ट्र की वास्तविक सम्पत्ति होता है क्योंकि नागरिकों का समुच्चय ही अन्ततः राष्ट्र का निर्माण करता है। एक स्वस्थ नागरिक एक स्वस्थ एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला होता है।

एक स्वस्थ नागरिक राष्ट्र के विकास को विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक आयामों से प्रभावित करता है।

यदि एक नागरिक स्वस्थ है तो वह अपनी पूर्ण कार्यक्षमता का उपयोग करता है। इससे एक ओर वह उत्पादक श्रमबल को बढ़ाता है तो वहीं दूसरी ओर अपनी आर्थिक क्रियाओं के माध्यम से देश के जी.डी.पी. के विकास में भी योगदान करता है।

इससे एक ओर वह अपनी रोजी-रोटी कमाता है तो वहीं अपने व्यय के माध्यम से अन्य नागरिकों के लिए रोजगार एवं आय के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अवसर सृजित करता है।

यही नागरिक अपनी आर्थिक क्रियाओं के माध्यम से अपने परिवार के भरण-पोषण तथा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को भली प्रकार निभा पाता है।

यदि यही नागरिक शारीरिक या मानसिक रूप से बीमार हो, तो वह पूर्ण रूप से उत्पादक नहीं रह जाता है। न तो वह पर्याप्त आर्थिक अर्जन कर सकता है और न अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग। अपने परिवार को पोषणयुक्त भोजन, उचित शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ न उपलब्ध करा पाने के कारण अनेक सामाजिक समस्याएँ यथा गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण का जन्म होने की संभावना बढ़ जाती है।

यदि नागरिक स्वस्थ है तो यह पूर्ण संभावना है कि वह दया, करुणा, क्षमा, परोपकार

मानव विकास सूचकांक, जेंडर गैप इंडेक्स, गिनी गुणांक इत्यादि के आधार पर भी महत्वपूर्ण बिंदुओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय तौर पर प्रस्तुत करते हुए उल्लेख किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जैसे नैतिक मूल्यों का पोषण करता है। इससे समाज में चोरी, नशाखोरी, अपराध, हिंसा, बलात्कार जैसे अपराधों में कमी आती है। विविध वैज्ञानिक शोध यह तथ्य स्थापित कर चुके है कि अपराधी प्राय: किसी न किसी मनोवैज्ञानिक रोगों / समस्याओं के शिकार होते है।

इसके अतिरिक्त एक स्वस्थ नागरिक, मानसिक रूप से सशक्त होने के कारण सही, तार्किक एवं समयबद्ध निर्णय लेने की उच्च प्रायिकता रखता है। वह सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से परिपक्व निर्णयों को लेता है। भावों एवं आवेशों में बहने के स्थान पर वह सही एवं गलत के वस्तुनिष्ठ पश्चात की उच्च संभावना रखता है।

इसे एक उदाहरण के माध्यम से भी समझा जा सकता है। आमतौर पर यूरोपीय देशों की भौगोलिक, आर्थिक एवं जलवायविक परिस्थितियों

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के कारण वहाँ के नागरिकों का बॉडी मास इंडेक्स एवं जीवन प्रत्याशा उच्च है। बीमारियों का प्रकोप कम होने के कारण वे बीमार भी कम पड़ते हैं।

उपरोक्त तथ्यों का प्रत्यक्ष प्रभाव उनके जेब से सीधे खर्च (आउट ऑफ पाकेट मेडिकल एक्सपेन्डीचर) पर पड़ता है अर्थात यह वहाँ बहुत कम है। वे इसका उपयोग अन्य आर्थिक, पारिवारिक गतिविधियों के लिए कर सकते हैं।

अब इसी तथ्य की तुलना यदि साउथ एशिया के किसी देश उदाहरणस्वरूप भारत से की जाये तो निम्नलिखित तथ्य उभरते हैं।

भारत के लगभग 44% पेरिनेटल कुपोषण के शिकार हैं और विश्व बैंक इस तथ्य की पुष्टि कर चुका है। मातृत्व मृत्यु दर

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

57. एव शिशु मृत्यु दर की उच्च दरें विद्यमान हैं। गरीबी एवं बेरोजगारी भी व्यापक है। 22% जनसंख्या को दो जून की रोटी मिलना मुश्किल है।

एक ओर बीमारियों का प्रकोप अधिक है - उदाहरणस्वरूप इंसेफेलाइटिस नामक विषाणुजनित रोग से प्रतिवर्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश में सैकड़ो बच्चों की मृत्यु - तो वहीं टीकाकरण अभियान में कई बार सरकारी तंत्र की ढीला-ढवाली तो कई बार नागरिकों के अंधविश्वास मार्ग की बाधा बनते हैं।

इसके साथ ही व्यापक अशिक्षा (केवल लगभग 74% साक्षरता), पोषणयुक्त भोजन की उपलब्धता एवं जागरूकता में कमी जैसे कारण भी विद्यमान हैं। आज भी स्वास्थ्य को सम्पूर्ण बजट का मात्र 1.5% ही आवंटित किया जाता है। सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की हालत खस्ता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

डाक्टरों एवं नर्सों की भारी कमी अस्पतालों में देखी जा सकती है। मनोचिकित्सकों का तो अकाल ही है।

ऐसे में उपरोक्त समस्याओं को देखते हुए नागरिकों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार द्वारा अनेक प्रयास किये गये हैं।

नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट एवं जन वितरण प्रणाली के माध्यम से सस्ता एवं पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना। इन्दिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना, मिड डे मील, आँगनवाड़ी केन्द्र एवं स्कूलों में आयरन की गोलियों का वितरण प्रमुख सराहनीय कदम हैं।

बीमारियों पर प्रभावी नियन्त्रण के लिए नेशनल हेल्थ पालिसी लायी गयी है जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही गयी है। टीकाकरण को प्रभावी बनाने के लिए मिशन इन्द्रधनुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

भारत 2022 तक न्यू इंडिया, 2023 तक देशों में ऊपर पानर बनने के मिशन में जैसे लक्ष्यों के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का उल्लेख भी कीजिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के समुचित निराकरण के लिए मेन्टल हेल्थ बिल लाया गया है।

इसके साथ ही आज आवश्यकता है कि जन-जागरूकता का प्रसार किया जाये। जंक-फूड जो कि भारत में ओबेस पापुलेशन अर्थात मोटे लोगों की जनसंख्या का एक प्रमुख कारण है, के बारे में जागरूकता फैलायी जानी चाहिए।

फूड फोर्टिफिकेशन अर्थात विभिन्न खाद्य पदार्थों में निर्माण के चरण में ही विभिन्न विटामिन्स को मिलाना, को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही सप्लाई चेन को मजबूत किया जाना चाहिए जिससे कि प्रतिवर्ष लगभग 25% फलों एवं सब्जियों की बर्बादी को रोककर उन्हें कम कीमतों पर जनता के लिए उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

यही सही समय है जब स्वास्थ्य सेवाओं पर स्थिर हो चुके 1.5% के बजट को बढ़ाया जाये

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या कं अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

एवं यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर गंभीरता से विचार किया जाये।

उपरोक्त विवरण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि नागरिक ही राष्ट्र की वास्तविक सम्पत्ति होते हैं। स्वस्थ नागरिक ही मानव संसाधन में बदल सकते हैं और ये मानव संसाधन ही एक सशक्त, सम्पन्न एवं शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. पर्यावरणीय सरोकार: अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का नवीन प्रेरक बल।
   Environmental concern: The new driving force of International politics.
2. एक दिशाहीन छात्र आंदोलन समाज के लिये खतरा है।
   A directionless student movement is threat to society.
3. न्यायिक जवाबदेही: न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक अत्यावश्यक साधन।
   Judicial Accountability: A much needed tool to ensure justice.
4. 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना: एक सपना या हकीकत।
   Doubling the farmers income by 2022: A myth or reality.

"इस धरा में सभी व्यक्तियों की आवश्यकताओं को तो पूर्ण करने की क्षमता है परन्तु किसी के लालच की नहीं" – महात्मा गांधी

21वीं सदी में मानव के विकास के नये आयामों को गढ़ा है। उसने असंभव समझे जाने वाले कारनामों को अंजाम दिया है। वह चाँद पर भी पहुँचा और प्रकृति पर नियन्त्रण की उसकी इच्छा पहले से भी अधिक बलवती हो चली है।

इस अंधाधुंध विकास और नियन्त्रण की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

होड़ ने मानव के पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। आज मानव के समक्ष गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियाँ मुँह बाये खड़ी है।

ग्लोबल वार्मिंग अर्थात पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि, जैव-विविधता का ह्रास, वायुमंडल में बढ़ती ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा, बढ़ता जल एवं मृदा प्रदूषण तथा मरुस्थलीकरण, ओजोन परत में छिद्र इत्यादि इनमें से कुछ प्रमुख चुनौतियाँ है।

जैसे-जैसे विज्ञान ने प्रगति की है, वह यह आंकलन करने में सक्षम हो गया है कि पर्यावरणीय चुनौतियाँ निरन्तर गंभीर होती जा रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास समय-समय पर किये जाते रहे है।

इससे पूर्व कि हम इन अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासो

1972 स्टॉकहोम सम्मेलन, हैरिक, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरणीय जैविक का भी उल्लेख किया जा सकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के पीछे निहित प्रेरक बलों की चर्चा करें यह समझना आवश्यक है कि पर्यावरणीय सरोकारों का अर्थ क्या है एवं इसके क्या प्रभाव हुए हैं?

पर्यावरणीय सरोकारों का सामान्य अर्थ उन सभी पर्यावरणीय परिवर्तनों पर दृष्टि रखना एवं उसे निपटने के मार्ग तलाशना है जिनसे कि इस पृथ्वी और उस पर निवास करने वाले सभी जीवधारियों के जीवन, पुनरुत्पादन एवं सततता की क्षमता पर नकारात्मक रूप से प्रभाव पड़ता हो।

यदि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो जल, वायु, मृदा के प्रदूषण तथा ग्लोबल वार्मिंग से सम्बन्धित मुद्दों के कारण पर्यावरणीय सरोकारों में वृद्धि हुई है। आई·पी·सी·सी· की रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र तल का स्तर बढ़ रहा है, इससे तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का खतरा बढ़ता जा रहा है।

ग्लेशियर्स के तेजी से पिघलने के कारण एक ओर बाढ़ जैसी विभीषिका तो वहीं भविष्य में तीव्र सूखे की आशंका जताई जा रही है। चक्रवातीय तूफानों की संख्या में वृद्धि को भी ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की उपज माना जा रहा है।

एफ.ए.ओ. की एक रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक विश्व के खाद्यान्न उत्पादन में संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है जब कि जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। खाद्यान्न उत्पादन में कमी मुख्यत: जलवायु परिवर्तन के कारकों का प्रभाव होगी।

इसी प्रकार बढ़ता वायु प्रदूषण भी एक गंभीर चिंता का विषय है। भारत में यह अति गंभीर रूप ले चुका है क्यों कि विश्व स्वास्थ्य

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संगठन की एक रिपोर्ट में दिल्ली को विश्व की सर्वाधिक प्रदूषित शहर घोषित किया गया है। भारत में लाखों लोग प्रतिवर्ष वायुप्रदूषण एवं गंदे पानी से जनित बीमारियों के कारण काल के गाल में समा जाते हैं।

इसी प्रकार चीन, ब्राजील समेत दुनिया के अधिकांश विकासशील देश एक ओर औद्योगिक क्रांति के बाद के अंधाधुंध विकास तो दूसरी ओर स्वयं के विवेकहीन कदमों से दोहरी मार झेल रहे हैं।

ऐसे में वैश्विक समुदाय द्वारा पर्यावरण के रक्षण, संरक्षण एवं परिरक्षण के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं। 1987 में ओजोन परत के क्षेद को कम करने के लिए मांट्रियल प्रोटोकाल लाया गया। इसमें उन गैसों के उत्सर्जन पर नियन्त्रण का प्रयास सम्मिलित था जो ओजोन छिद्र को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार थी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1992 में समग्र रूप से एक पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें सतत विकास की अवधारणा को स्वीकार किया गया। 1997 में एक अति महत्वपूर्ण क्योटो प्रोटोकाल अस्तित्व में आया जिसने प्रभावी रूप से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसे पर्यावरणीय समस्याओं के प्रभावी निवारक कदम के रूप में कार्य किया।

इसी संदर्भ में 1987 में ही यू.एन.एफ.सी.सी. की स्थापना हुई जो पर्यावरणीय सम्बन्धी मुद्दों पर एक फ्रेमवर्क प्रदान करता था। बाद में कान्फ्रेंस ऑफ पार्टीज के माध्यम से अनेक पर्यावरणीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

इस क्रम में सबसे नवीन समझौता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पेरिस समझौता रहा है जो कि ग्लोबल वार्मिंग की दर को 2° से नीचे रखने से सम्बन्धित है।

यद्यपि विभिन्न वैश्विक प्रयास किये गये हैं परन्तु विकसित एवं विकासशील देशों के मध्य कार्बन उत्सर्जन की मात्रा, विकासशील देशों को 100 बिलियन डालर की प्रतिवर्ष सहायता, नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों के हस्तांतरण को लेकर गतिरोध प्रारम्भ से ही रहा है और वर्तमान में भी बना हुआ है।

विकसित देश अपनी "ऐतिहासिक जिम्मेदारी" (औद्योगिक क्रांति के दौरान किये गये प्रदूषण) से बचने का प्रयास करते दिखते हैं। विकासशील देशों का प्रमुख तर्क यह है कि उन्हें एक तो अभी विकास करना है और दूसरे विश्व की एक बड़ी गरीब आबादी को गरीबी से बाहर लाने के लिए उन्हें ऊर्जा संसाधनों की आवश्यकता होगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः आज आवश्यकता है कि बदलते वैश्विक आयामों को देखते हुए विश्व के सभी देश मिलकर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करें।

इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा का अधिकतम उपयोग जैसे कि भारत का इन्टरनेशनल सोलर एलायन्स तथा 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य तथा चीन एवं यू॰ एस॰ ए॰ द्वारा क्रमशः 2035 एवं 2028 तक अपनी कार्बन उत्सर्जन की उच्चतम जैसे कदम सराहनीय है।

इसके साथ ही जैविक कृषि, सिंचाई के उन्नत साधनों यथा ड्रिप सिंचाई का प्रयोग, ऊर्जा संरक्षण, फॉसिल ईंधनों के प्रयोग को कम करना, वनीकरण, जैव-विविधता के ह्रास को रोकना एवं तकनीकी कदमों यथा इलेक्ट्रिक कारों के प्रयोग को बढ़ावा इत्यादि

Copyright Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के माध्यम से भी अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

मनुष्य पृथ्वी और उसके पर्यावरण पर अपने अस्तित्व के लिए निर्भर है। विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों में सम-वय एवं सहयोग की आवश्यकता है।

क्लाइमेट जस्टिस एवं सस्टेनेबल विकास को कागज के पन्नों से निकाल साक्षात में फलीभूत करना ही सुरक्षित, समृद्ध एवं सतत भविष्य का निर्धारण करेगा। किसी कवि की कही ये पंक्तियाँ मानव जाति को यही प्रेरणा दे रही है

"ले आग हाथ में पगले
डराता है तू किसे
जो न ये धरा रहेगी
तू कहाँ रह जायेगा।"

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation